तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय दस्तखत	अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
25/08/22	पत्रावली पेश हुई। वादिनी वकील अनु०। न्यायालय समय में वादिनी वकील व वादिनी को रुक-रुक कर तीन बार आवाज लगाई गई। न तो वादिनी वकील उप० हुये। न ही वादिनी उप०। अतः वादिनी का वाद अदम पैरवी अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या में कम हो।	

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2022.08.27 15:10:13 IST
Reason: SelfAttested